

अधिज्योतिषम् (von 1. अधि + ज्योतिष) adv. in Bezug auf das Leuchtende, Glänzende (dahin gehören: अग्निः, आदित्यः, आपः, वैश्वतः) TAITT. UP. 1, 3, 1, 2.

अधित्य (von 1. अधि) adj. oben befindlich, davon:

अधित्यका P. 5, 2, 34. 7, 3, 45, Vārtt. 2. f. Ebene auf einem Berge, Berg-plateau AK. 2, 3, 7. H. 1033. मलपाधित्यकायाम् Hir. 101, 18. अधित्यकायामिव धातुमयाम् — सानुमतः RAGH. 2, 29. — Vgl. उपत्यका.

अधिदत्तं (1. अधि + दत्त) m. Ueberzahl P. 6, 2, 188, Sch. Suṣr. 1, 50, 5.

अधिदेव (1. अधि + देव) m. ein höchster Gott: यतो वा अधिदेवा यज्ञे-नेष्ट्रा स्वर्गं लोकमायन् Air. Br. 7, 30. In Ableitungen werden beide Glieder verstärkt: आधिदे० gaṇa अनुशतिकादि.

अधिदेवर्तम् (1. अधि + देवता) adv. in Bezug auf die Götter ÇAT. Br. 6, 5, 3. 6, 4, 8. 7, 4, 19. 13, 6, 4, 7. 10. 14, 6, 4, 12. 7, 76.

अधिदेवता (1. अधि + देवता) f. eine höchste Gottheit, Schutzgottheit: तो च — चके सैन्यस्वेवाधिदेवताम् Vid. 19. ययाचे पाडुके पञ्चात्कर्तुं राज्याधिदेवते RAGH. 12, 17.

अधिदेवन (von दिव् mit अधि) n. das Spielbrett beim Würfelspiel: यो ते चक्रः सभायां यो चक्रोऽधिदेवेन । अनेषु कृत्यां यो चक्रः पुनः प्रति कुरामि ताम् AV. 5, 31, 6. 6, 70, 1. ÇAT. Br. 5, 3, 4, 10. 4, 4, 20—23.

अधिदेव (1. अधि + देव) n. die höchste Gottheit: अधिभूतं च किं प्रो-क्तमधिदेवं किमुच्यते BHAG. 8, 1. साधिभूताधिदेवं मां साधियज्ञं च ये विदुः 7, 30.

अधिदेवत (1. अधि + देवत) n. die höchste Gottheit: अधिभूतं ततो भावः पुरुषश्चाधिदेवतम् (= अधिदेव 8, 1.) BHAG. 8, 4. Schutzgottheit: साधिदेवत इव शकुन्तलाया — आश्रमः ÇĀK. 7, 10, v. 1.

अधिदेवतम् (von 1. अधि + देवत) adv. in Bezug auf die Gottheit, auf das göttliche Princip ÇAT. Br. 14, 4, 3, 33. 5, 3, 5. (= BṚH. ĀR. UP. 1, 3, 22. 2, 3, 3.) BṚH. ĀR. UP. 3, 7, 14. KENOP. 29. Air. Br. 2, 40. Nir. 2, 13. 10, 4. 26. 12, 37. 38.

अधिनाथ (अधि + नाथ) m. N. pr. Verfasser des Kālyāṇaśāstra Verz. d. Kopenh. H. 9, b.

अधिनिर्णिङ् (1. अधि + निर्णिङ्) adj. mit einem Ueberwurf, Schleier verhüllt: यः श्रेता अधिनिर्णिङ्शक्रे कृत्वा अनु व्रता RV. 8, 41, 10.

अधिप (von पा, पाति mit अधि) m. Gebieter, Herr, Oberhaupt, Befehlshaber AK. 3, 1, 11. H. 358. König TRIG. 2, 8, 1. देवानाम् ÇVETĀC. UP. 4, 13. R. 1, 19, 4. मृगाणाम् (der Tieger) N. 12, 23. प्रजानाम् (König) RAGH. 2, 1. ग्रामाधिप AK. 3, 4, 52. मृगा० PAṆĀT. 31, 2. लता० V. 69. विदर्भा० N. 12, 5. कोशला० 24, 22. निषधा० 5, 19. अङ्गा० R. 1, 10, 6. निषादा० 3, 13. astrol. Regent Ind. St. II, 280. — Vgl. अधिपा, जनाधिप, नगराधिप, नराधिप, मनुजाधिप, सुराधिप.

अधिपति (1. अधि + पति) m. 1) Oberherr, Oberhaupt, Gebieter, Befehlshaber HALĀJ. im ÇKDR. अधिपतिर्मुत्योः AV. 5, 30, 15. भुवनस्य पतेः स्वाह् । अधिपतेः स्वाह् VS. 9, 20. 13, 24. 14, 9. AV. 4, 8, 1. पुरता भवत्यन्नादोऽधिपतिर्य एव वेद ÇAT. Br. 14, 4, 4, 19. (= BṚH. ĀR. UP. 1, 3, 18.) स वा अयमात्मा सर्वेषां भूतानामधिपतिः सर्वेषां भूतानां राजा 5, 5, 15. (= BṚH. ĀR. UP. 2, 5, 15.) 7, 4, 32. (= BṚH. ĀR. UP. 4, 3, 33.) 2, 34. (= BṚH. ĀR. UP. 4, 4, 4.) 13, 4, 4, 1. विदर्भराजाधिपतिः (d. i. विदर्भराजा अधिपतिः) N. 12, 31. सर्वस्याधिपतिर्हि सः (ब्राह्मणाः) M. 8, 37. भूमेरधिपतिर्हि सः (राजा) 8, 39.

ग्रामस्य 7, 115. द्वैकासाम् RAGH. 3, 47. auch mit dem loc. Vop. 5, 29. im comp.: सत्स्राधिपति (über 1000 Dörfer) M. 7, 119. इविषा० R. 5, 73, 28. राजसा० 4, 1, 48. निषादा० 29. Viçv. 8, 15. 11, 5. N. 17, 13. VET. 35, 10. von Gott: तस्मादधिपतिमापृच्छ परं च यत्तमास्थायोपक्रमेत Suṣr. 2, 91, 15. — 2) Wirbel auf dem Kopf: मस्तकाभ्यन्तरोपरिष्ठात्सिरासंधिसंनिपातो रो-मावर्तोऽधिपतिस्तत्रापि सद्योमरणम् Suṣr. 4, 351, 10. सीमन्तेष्वेकैकामेका-मधिपताविति 357, 12.

अधिपतिवती adj. f. von अधिपति ved. P. 8, 2, 15, Vārtt. ०तीर्जुहोति Sch.

अधिपती (1. अधि + पती) f. Oberherrin VS. 14, 13. AV. 5, 24, 3. नन्-त्राणाम् TAITT. Br. 3, 1, 4, 14. दासाधिपत्यः Nir. 2, 17.

अधिपथम् (von 1. अधि + पथ) adv. über einen Pfad hinweg: नाधिपथं कुर्यात् (स्मशानम्) ÇAT. Br. 13, 8, 4, 10.

अधिपौ (von पा, पाति mit अधि) m. Gebieter, Herrscher: स्वर्ग्यदर्शम-धिपा उ अन्व्योऽभि मा वपुर्दृश्ये निनीयात् RV. 7, 88, 2. अस्माकं मन्यो अ-धिपा भवेत् 10, 84, 5. VS. 12, 58. AV. 6, 119, 1. 10, 1, 22. u. s. w.

अधिपोषुल (1. अधि + पोषुल) adj. von oben bestäubt: देशेऽस्मिन्स्व-धिपोषुले HARIV. 6744.

अधिपुरुष (1. अधि + पुरुष) m. der höchste Geist VP. 93.

अधिपूतभृतम् (von 1. अधि + पूतभृत् [पूत + भृत्]) adv. über dem den gereinigten (Soma) tragenden, enthaltenden (Kübel) KĀTJ. ÇA. 10, 3, 1.

अधिपेषण (1. अधि + पेषण) adj. worauf Etwas zermalmt wird ÇAT. Br. 1, 1, 4, 3.

अधिप्रजम् (von अधि + प्रजा) adv. in Bezug auf die Geburt, die Verwandtschaft TAITT. UP. 1, 3, 1, 2.

अधिप्रष्टियुग (1. अधि + प्रष्टियुग [प्रष्टि + युग]) m. ein neben dem Joche des Prashṭi-Pferdes angeschirrt einherlaufendes (viertes) Pferd ÇAT. Br. 5, 1, 4, 11.

अधिभू (von भू sein mit अधि) m. Herrscher, Gebieter AK. 3, 1, 11. H. 358.

अधिभूत (1. अधि + भूत) n. das höchste Wesen BHAG. 8, 4 (vgl. u. अधि-देवत). 7, 30 (vgl. u. अधिदेव). In Ableitungen werden beide Glieder ver-
stärkt: आधिभौ० gaṇa अनुशतिकादि.

अधिभूतम् (von 1. अधि + भूत) adv. in Bezug auf die Wesen ÇAT. Br. 14, 6, 7, 19. (= BṚH. ĀR. UP. 3, 7, 14.) TAITT. UP. 1, 7.

अधिभोजन (1. अधि + भोजन) n. Zugabe: दशाश्चान्दश् कोशान्दश् वस्त्रा-धिभोजना RV. 6, 47, 23.

अधिमन्य (von मन्य् mit अधि) m. eine von einseitigem Kopfweh be-
gleitete schmerzhaft Augenkrankheit, bei welcher im Auge das Gefühl
des Hin- und Herzerrens und Reißens entsteht, woher auch der Name:
नेत्रमुत्पाद्यत इव मध्यते ऽरुणिवच्च Suṣr. 2, 313, 11. उत्पाद्यत इवात्यर्थं
नेत्रं निर्मध्यते तथा । शिरसो ऽर्धं तु तं विद्यादधिमन्यं स्वलक्षणेः 9. 10. 305,
2. 8. 1, 36, 4. u. s. w. WISE: ophthalmia. — Vgl. अधीमन्य, कृताधिमन्य,
मन्य.

अधिर्मन्यन (wie eben) 1) adj. womit gerieben wird: शकल ÇAT. Br. 3, 4, 4, 20. 6, 4, 10. — 2) n. das Reiben (zweier Hölzer zur Erzeugung von Feuer): अस्तीदमधिर्मन्यन्मस्ति प्रजननं कृतम् RV. 3, 29, 1.

अधिमांस (1. अधि + मांस) m. hypertrophia carnis (HESSLER). 1) eine Krankheit des Weissen im Auge Suṣr. 2, 310, 9. विस्तीर्णी मृड बज्जलं य-